



न्यायालय श्रीमान् राजेंद्र मण्डल वालियर म. पु. ।

निगरानी 54-II-15

सुगनबाहे स्वतीय पति भवरलाल जाति माली,

निवासी ग्राम बड़ीयागोयल हाल गुजरात-जावरा :-- प्राधीनिकराता
बनाम

१--सत्यनारायण पिता मोहीराम पोटवाल

निवासी बजाजखेना जावरा कृष्ण बड़ीयागोयल

२--लक्ष्मण उंडे लच्छीराम गुराम वारिसान-

३। शेलीबबाई रं. पति लच्छीराम गाली

निवासी बड़ीयागोयल तहसील जावरा

४। मुंबुबाई पति सिद्धुलाल माली पिता लच्छीराम

५। निवासी बंगले के पिते महिदपुर रोड, तह. महिदपुर
गिलां उपजैन म. पु.

६। शंकरिताबाहे पति वरदीचन्द्र माली

निवासी ताल तहसील आलोट जिला रत्नाम म. पु.

--- प्रतिप्राधीनी/
प्राधीनी

निगरानी गोन्हगंत धारा 50 म. पु. भ. रा. नं. 1959

निगरानी बनाराजगी न्यायालयशीआन अनुविभागीय अधिकारी ग्रहोदय
जावरा के न्यायालयीन प्र. पु. 29अप्रैल/13-14 मे पारित आदेश दिनांक
27-12-14 मे अनुमुद्द घोष

माननीय ग्रहोदय,

निगरानीकराता की ओर ते निम्नलिखित निगरानी प्रत्युत है :-

॥ निगरानी के आधार ॥

१-- एह कि, अधिनस्थ न्यायालय का आतोंय आदेश दिनांक 27-12-14
विधि विधान के विपरित होने से निरस्ती चीर्य है ।

२-- एह कि, ग्राम बड़ीयागोयल व्यक्ति विकादित कृष्ण भुमि तर्के दुमांक 205, 241
332, 335 कुल रक्का 0.91 आरी भुमि लो कि प्राधीन्या के सारे के नाम से व्यक्त होकर
लिना किती वैद्य आवश्यकता के प्रतिप्राधीनी दुमांक-। ते दुरभि संधि दर दिर्घावजी विक्रय
सम्पादित करा दिया है और इस भुमि पर कञ्जा प्राधीन्या बा बता आ रहा है हज लैंड
मे प्राधीन्या ने अधिनस्थन्यायालय मे इस आशयि दर आधेन दिया कि इरेव का प्रश्न
माननीय अपर जिला जज ग्रहोदय जावरा के न्यायालय मे प्रत्युत दिकानी प्रकरण दुमांक-

निर्देश--2

R 54-II/5-

28-12-15

गोपनीय राज्यका की कोर्ट द्वारा लिखित
प्रतीक्षित अधिकार उनके द्वारा नहीं दिए
जा सकते हैं इसका नियम नहीं है। इसका
कारण यह है कि उनके द्वारा दिए गए
उनका अधिकार उनके द्वारा दिए गए
नहीं है। इसका अधिकार उनके द्वारा दिए गए
नहीं है। इसका अधिकार उनके द्वारा दिए गए
नहीं है।

0
26-12

